

जाट-गैर जाट का ध्रुवीकरण ले बैठा कांग्रेस को हरियाणा में?

ध्रुवीकरण को ताकत मिली इस बात से कि टिकट वितरण में पूरी तरह से चली सशक्त जाट नेता भूपेन्द्र सिंह हूडा की। उन्हें 90 टिकटों में से 73 सीटों पर उम्मीदवार चुनने का एकाधिकार दिया गया

—रेणु मिश्रा—

—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। सभी उम्मीदों और भविष्यवाणियों को उलटते हुए भाजपा ने निर्णायक रूप से कांग्रेस को हराकर और 90 में से 48 सीटों पर जीत हासिल करके पूर्ण बहुमत के साथ तीसरी बार लगातार तीसरी बार सत्ता में तीसरा कार्यकाल अपने नाम किया है।

सूत्रों का कहना है कि मौजूदा मुख्यमंत्री सैनी इस पद पर बने रहेंगे। जम्मू और कश्मीर में कांग्रेस नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन ने 49 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया है तथा इस महत्वपूर्ण सीमावर्ती राज्य में सत्ता हासिल करने की भाजपा की उम्मीद पर पानी फेर दिया है।

भाजपा ने जम्मू में केवल 29 सीटें जीती हैं जबकि कांग्रेस की 6 सीटें मिलाकर नेशनल कॉन्फ्रेंस को 42 सीटें मिली हैं। जम्मू में कांग्रेस बुरी तरह हारी और वहाँ एक ही सीट नहीं जीत पाई।

उमर अब्दुल्ला अब जम्मू और कश्मीर के नए मुख्यमंत्री होंगे।

तो हरियाणा में कांग्रेस के साथ ऐसा क्या हुआ कि वो 90 में से केवल 37 सीटें ही जीत पाई और लगातार तीसरे कार्यकाल में अब विपक्ष में बैठेगी।

इस तथ्य से, ऐसा माना जा रहा है कि गैर जाट भयभीत हुए, क्योंकि वे जाटों के सामर्थ्य व शक्ति से काफी परिचित थे। अतः भाजपा सरकार की भारी एंटी इनकम्बेंसी के बावजूद, गैर जाट वोट भारी संख्या में भाजपा के पक्ष में गिरा।

दलित वर्ग ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ा तथा राम रहीम के नेतृत्व में भाजपा के पक्ष में मतदान किया, जिन्हें चुनाव से पूर्व जेल से पैरोल पर रिहा किया गया था। राम रहीम के अनुयायी मूलतः दलित हैं।

भाजपा की जीत का एक अहम कारण यह भी है कि बड़ी होशियारी से भाजपा ने हर सीट पर माइक्रो मैनेजमेंट किया। उदाहरण के लिये, कांग्रेस के वोट बैंक का विभाजन करने के लिए, सीट की स्थिति देखते हुए कहीं तो बसपा का चौटाला की पार्टी से गठबंधन करवाया और कहीं आजाद का उपयोग किया और कहीं और निर्दलीय उम्मीदवार खड़े किये, कांग्रेस को नुकसान पहुँचाने के लिये।

हरियाणा में कांग्रेस की इस बुरी हार के लिए कई कारणों को जिम्मेवार माना जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि, ध्रुवीकरण और भाजपा का माइक्रोमैनेजमेंट तथा चुनावी जोड़-तोड़ इसका

कारण है।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा, “किसी भी राज्य में, जहाँ भाजपा का सी.एम. और डी.एम. है, आप निश्चित रूप से कह सकते हैं कि वो चुनाव जीतेंगे।”

विश्लेषकों का कहना है कि जाट

और गैर जाट की भी भूमिका रही है। हरियाणा के जाट दिग्गज, भूपेंद्र सिंह हूडा को 90 में से 73 टिकट दिए गए बंटने के लिए, जिससे यह स्पष्ट संदेश गया कि वो ही “बॉस” और अगले मुख्यमंत्री हैं।

इससे गैर जाट डर गए जो जाटों की शक्ति से आतंकित थे और उन्होंने, भारी प्रशासन विरोधी भावनाओं के बावजूद भाजपा को वोट दिया। दलितों ने भी कांग्रेस का पाला छोड़ दिया और जेल से बाहर आए राम रहीम के नेतृत्व में भाजपा को वोट दिया। राम रहीम के अधिकतर अनुयायी दलित हैं।

भाजपा ने, मतों को विभाजित करने के लिए तथा कांग्रेस वोट बैंक में संघ लगाने के लिए हर एक निर्वाचन क्षेत्र में बखूबी से माइक्रोमैनेजमेंट किया। हरियाणा में चौटाला की पार्टी से बसपा का गठबंधन किया कश्मीर आजाद से ताकि वोट काटे जा सके। यही नहीं निर्दलीयों को भी मैदान में उतारा कांग्रेस को नुकसान पहुँचाने के लिए।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि कुछ जिलों में ई.वी.एम. के साथ छेड़छाड़ की गई। पार्टी का आरोप है कि उन ई.वी.एम. में, जिनमें बैटरी 99 प्रतिशत थी (जो कि (शेष पृष्ठ 3 पर)

दो अमरीकी वैज्ञानिकों को फीजिक्स का नोबल

—जाल खंबाता—
—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—
नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। फीजिक्स में वर्ष 2024 का नोबल पुरस्कार जॉन

जॉन होपफील्ड और ज्यॉफ्री हिंटन को आर्टिफिशियल न्यूरोल नैटवर्क के साथ मशीन लर्निंग में नई खोज करने के लिए नोबल पुरस्कार दिया गया है।

एच. होपफील्ड एवं ज्यॉफ्री ई. हिंटन को दिया गया है। इन्हें यह सम्मान (शेष पृष्ठ 3 पर)

मंदिर से घर आते दम्पति पर पैंथर ने हमला किया

उदयपुर, 8 अक्टूबर (कास)। सोमवार रात उदयपुर शहर से करीब 18

कुराबड़ मार्ग पर यह स्थान उदयपुर शहर से 18 किलोमीटर दूर है। दम्पति बाइक से गिर गया था, पर, अन्य वाहनों की अवाज से पैंथर भाग गया।

किलोमीटर दूर कुराबड़ मार्ग पर पैंथर ने मंदिर से लौट रहे बाइक सवार दम्पति (शेष पृष्ठ 3 पर)

हरियाणा की सफलता से महाराष्ट्र और झारखंड में भाजपा की संभावनाएं मजबूत होंगी

हरियाणा में तमाम विपरीत हालातों और अनुमानों के बावजूद भी जीत हासिल होना भाजपा की बड़ी सफलता है

—जाल खंबाता—

—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। हरियाणा में एग्जिट पोलस की भविष्यवाणियों के विपरीत हुई भाजपा की अप्रत्याशित विजय पार्टी की समझ-बूझ तथा रणनीतिक कौशल को रेखांकित करती है, जबकि पार्टी के सम्मुख अनेक चुनौतियाँ थीं। इस स्थिति में ऐसी सम्भावना प्रतीत होना स्वाभाविक ही है कि शीघ्र ही होने वाले महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में भाजपा की स्थिति को अतिरिक्त बल मिलेगा तथा भाजपा विपक्ष की एकता एवं रणनीतियों को चुनौती दे सकेगी।

हरियाणा में, भाजपा एग्जिट पोलस के जबड़ों से विजय को छिनीति दिखाई दी है। विदित ही है कि एग्जिट पोलस ने राज्य में कांग्रेस की बहुत बड़ी जीत की भविष्यवाणी की थी।

हालांकि परिणाम अभी आ रहे हैं, लेकिन बहुत एवं जीत दर्शा रही है कि भाजपा बहुमत के आँकड़े को पीछे छोड़ चुकी है। हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी जीत हो गई है, इस स्थिति यह जीत और भी असाधारण एवं अद्वितीय हो गई है क्योंकि पार्टी, लम्बे समय से सत्तासीन होने के कारण,

राजनैतिक हलकों में पूछा जा रहा है कि क्या लोकसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन को मिली सफलता का रंग उतरने लगा है।

विपक्षी दलों को अब कुछ अलग सोचना होगा और संगठन व प्रबंध के स्तर पर काम करना होगा। अब तक विपक्षी दलों को लग रहा था कि वे जातिवाद के सहारे भाजपा को मात दे सकते हैं।

सत्ता-विरोधी लहर की आंशका से त्रस्त दिखाई दे रही थी।

हरियाणा, जहाँ सारी स्थितियाँ भाजपा के विरुद्ध थीं, में भाजपा की विजय यह दर्शा रही है कि पार्टी पतन की ओर नहीं जा रही, जैसा कि बहुमत से लोगों ने ऐसा सोचा था, जब कुछ पहले हुए लोकसभा चुनावों में इसका प्रदर्शन अपेक्षाओं से कुछ कम रहा था।

जब भाजपा लोकसभा चुनावों में 400 सीट जीतने के अपने लक्ष्य से काफी नीचे रह गई थी, यहाँ तक बहुमत का आँकड़ा नहीं छू पाई थी, उसे अपने बड़े मित्र दलों, टी.डी.पी. तथा जे.डी.(यू.) की मदद से सरकार बनानी पड़ी थी। लोकसभा चुनाव परिणामों को भाजपा के प्रभुत्व के दशक के अन्त तथा विपक्षी दलों इंडिया ब्लॉक के उदय के

रूप में देखा गया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जो विपक्ष के सबसे कड़ावर नेता के रूप में उभरे थे, को एक परिपक्व नेता के रूप में देखा गया था, क्योंकि कांग्रेस ने 2019 के चुनावों में जीती 52 सीटों से करीब दोगुनी सीटें जीत ली थीं। सुप्रसिद्ध मोदी-लहर, जिसका मतदाताओं पर जबरदस्त प्रभाव था, भी लोगों को उतार पर दिखाई देने लगी थी।

और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह थी कि विपक्षी दल यह मानने लगे थे कि उन्हें आखिरकार जीत का फॉर्मूला मिल गया है। रेवडियर्स, जाति-जनगणना, जातिगत कोटा-वृद्धि जैसी चीजें, उनके अनुसार, भाजपा के विकास एवं हिन्दुत्व के एजेंडा को हरा सकती थीं।

प्रधानमन्त्री मोदी को इन चुनावों के (शेष पृष्ठ 3 पर)

कांग्रेस स्वीकार नहीं कर पा रही है हरियाणा की हार को

हार को समझाने के लिए, वो ही पुराने ई.वी.एम. आदि कारण बता रही है

—डॉ. सतीश मिश्रा—

—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। कांग्रेस ने हरियाणा के चुनाव परिणाम को अप्रत्याशित एवं स्तब्ध कर देने वाला बताया है। अपने पक्ष की शुरुआती बढ़त के बाद भाजपा के पक्ष में रुझान आने और उनमें भाजपा की बड़ी जीत में तब्दील हो जाने के घंटों बाद, कांग्रेस ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह इन परिणामों को स्वीकार नहीं कर सकती।

दिन के पूर्वान्ह काल में ही, कांग्रेस हरकत में आ गई थी तथा उसने चुनाव आयोग को एक पत्र लिख कर शिकायत की कि हरियाणा चुनाव के परिणामों की नवीनतम एवं त्वरित जानकारी देने में “समझ में न आने योग्य धीमी गति” रखी गई।

पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने इस बारे में चुनाव आयोग को शिकायत पत्र लिखा और कहा कि मतगणना के बारे में बहुत धीमी गति से अटपटे अंदाज़ में अपडेट किया गया, ऐसा लग रहा था कि अंदर ही अंदर गड़बड़ी चल रही थी।

जयराम रमेश ने कहा कि 12 से 14 सीटों पर हमारे प्रत्याशियों ने मतगणना में गड़बड़ी की शिकायत की है। रमेश ने कहा कि जो प्रत्याशी अच्छे अंतर से जीत रहे थे, वे पचास, सौ व ढाई सौ वोटों से हार गए।

रमेश ने कहा, यह तंत्र की जीत है, पर, लोकतंत्र की हार है। हम सारी जानकारी एकत्र कर रहे हैं और उसे चुनाव आयोग के समक्ष पेश करेंगे।

ने पत्र में लिखा, “जैसी कि आप कल्पना कर सकते हैं, इससे “बैड फेथ एक्टर्स” को ऐसे आख्यान गढ़ने का अवसर मिलता है, जो इस प्रक्रिया को कमजोर

करते हैं। आप इसके उदाहरण एवं प्रमाण सोशल मीडिया की गतिविधियों में देख सकते हैं। हमें यह भी डर है कि इस प्रकार (शेष पृष्ठ 3 पर)

नाबालिग से दुष्कर्म, अभियुक्तों को 20 साल की सजा

जयपुर, 8 अक्टूबर। जिले की पाँचसौ मामलों की विशेष अदालत ने 17 साल 9 माह की नाबालिग के साथ कई दिनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त मुकेश और विक्रम सिंह को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने दोनों अभियुक्तों पर 3.5

पीड़िता के भाई ने फरवरी 2020 में विराटनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने 25 दिन में अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया था।

लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी के.सी. अटवांसिया ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्तों का कृत्य न केवल पीड़िता के प्रति, बल्कि पूरे समाज के खिलाफ किया अपराध है। ऐसे में अभियुक्तों के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक (शेष पृष्ठ 3 पर)

यह स्वीकार करना ही पड़ता है कि भाजपा का पर्दे के पीछे का चुनाव मैनेजमेंट, कांग्रेस से कहीं ज्यादा बेहतर है

कांग्रेस का नेतृत्व काफी विभाजित सा है, प्रदेशों में और केन्द्रीय नेतृत्व कितना भी प्रयास कर ले, कितनी भी समझाइश कर ले, प्रदेश के खेमेबाज नेताओं पर कोई असर नहीं पड़ता

—डॉ. सतीश मिश्रा—

—राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो—

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। हरियाणा में कांग्रेस नेताओं का अति आत्मविश्वास और ज़रूरत से ज्यादा बड़े इंगो की वजह से कांग्रेस लगातार तीसरी बार भाजपा से हार गई।

हरियाणा विधानसभा का भाजपा को बहुमत मिल चुका है। पार्टी 49 सीटों पर आगे है और कांग्रेस 36 सीटों पर आगे है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर ये आंकड़े उपलब्ध हैं।

तीन सीटों पर निर्दलीय आगे हैं और एक-एक सीट पर

हरियाणा में कम से कम 17 सीटें ऐसी थीं, जो कांग्रेस बहुत कम मार्जिन से हारी और वो जीत सकती थी, अगर प्रदेश का नेतृत्व जमीन की सच्चाई को स्वीकार करता और समय की माँग की अवहेलना नहीं करता।

हूडा की सोच खड़गे और राहुल को माननी पड़ी और हूडा के इस तर्क के आगे मजबूरन झुकना पड़ा कि कांग्रेस स्वयमेव ही जीत रही है और आप व समाजवादी पार्टी से बात करने की ज़रूरत नहीं है।

नतीजा यह हुआ कि इंडिया गठबंधन द्वारा तैयार किये गये माहौल व लोकसभा चुनाव के “मोमेंटम” को उल्टा कर दिया।

आई.एन.एल.डी. और बसपा आगे हैं। आम आदमी पार्टी का खाता भी नहीं खुला है।

कड़ी सुरक्षा के बीच सुबह आठ बजे मतगणना शुरू हुई थी। राजनैतिक दलों के प्रदर्शन से संबंधित जो आंकड़े एवं नतीजे उपलब्ध हैं, उन पर एक नज़र डालें तो पता लगता है कि कांग्रेस के प्रदेश नेताओं, खासकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हूडा और उनके प्रतिद्वंद्वी कुमारी सैलजा एवं रणदीप सुरजेवाला के इंगो अति आत्मविश्वास के कारण इन चुनावों में (शेष पृष्ठ 3 पर)

नकली पहचान / पार्सल स्कैम से सावधान रहें!

आरबीआई/बैंकों/सरकारी एजेंसियों/कूरियर कंपनियों के अधिकारियों के नाम से आने वाले ऐसे साइबर अपराधियों के ऑडियो/वीडियो कॉल से सावधान रहें, जो कानूनी कार्रवाई करने की धमकी देते हैं या तुरंत पैसे की मांग करते हैं या आपके बैंक खाते या डेबिट/क्रेडिट कार्ड को फ्रीज़ या ब्लॉक करने का डर दिखाते हैं।

क्या न करें

- घबराएं नहीं – धोखेबाज़ आपको फंसा सकते हैं
- कोई भी निजी/वित्तीय जानकारी साझा न करें
- भुगतान करने के लिए अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें

क्या करें

- हमेशा कॉल करने वाले/फंङ अनुरोध की वास्तविकता की पुष्टि करें
- cybercrime.gov.in पर तुरंत रिपोर्ट करें या 1930 पर सहायता के लिए कॉल करें

आरबीआई कहता है... जानकार बनिए, सतर्क रहिए!

अधिक जानकारी के लिए, <https://rbikethai.rbi.org.in/fraud> पर जाएं
फीडबैक देने के लिए, rbikethai@rbi.org.in को लिखें

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

विचार बिन्दु

केवल प्रकाश का अभाव ही अंधकार नहीं, प्रकाश की अति भी मनुष्य की आँखों के लिए अंधकार है। —स्वामी रामतीर्थ

यह मानना कि हमारी मान्यता गलत हो सकती है!

किसी ने यदि बौद्धिक विनम्रता के बारे में कभी नहीं सुना है, तो वह अकेला नहीं है। इस विषय पर पश्चिम में अकादमिक शोध हो रहा है। बौद्धिक विनम्रता का अर्थ यह स्वीकार करना है कि हमारी मान्यता गलत हो सकती है। यह विनम्रता हमें खुले दिमाग से सच्चाई को सुनने और उस पर ध्यानपूर्वक विचार करने के लिये तैयार करती है। वर्तमान भारतीय राजनीतिक कोलाहल में यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है जिसका यहाँ भी विमर्श आवश्यक है। हालाँकि भारतीय परंपरा में पुरातन काल से बौद्धिक विनम्रता की अवधारणा मिलती है। भारतीय वेदों और पुराणों के आख्यान इसकी गवाही देते हैं। विश्व की अन्य दार्शनिक परंपराओं में भी बौद्धिक गुणों की बात की गई है। पिछले दो दशकों में मानव के व्यवहार का अध्ययन करने वाले मनोवैज्ञानिकों और समाजिक वैज्ञानिकों ने इस विषय पर शोध भी किए हैं। एक वाक्य में कहें तो, बौद्धिक विनम्रता यह पहचानना भर है कि जिस चीज पर हम विश्वास करते हैं, वह वास्तव में गलत हो सकती है। हालाँकि किसी को अपना विश्वास गलत नहीं लगता है। कोई उन चीजों पर क्यों कर विश्वास करेगा जो गलत लगती हैं। लेकिन बौद्धिक रूप से विनम्र व्यक्ति यह पहचानता है कि जिन चीजों पर वह जबदस्त विश्वास करता है उनमें से कई चीजें वास्तव में गलत हो सकती हैं। दार्शनिक लोग लंबे समय से इसे एक बौद्धिक गुण के रूप में बताते आए हैं, ताकि लोग इस संभावना को पहचान सकें कि वे चीजों के बारे में गलत हो सकते हैं। हालाँकि वे ही हुए अनेक अध्ययन बताते हैं कि अधिकांश लोग अपने आप में जितना होना चाहिए उससे कहीं अधिक आश्वस्त होते हैं। वे यह विश्वास करते हुए जीवन जीते हैं कि वे सत्य के पक्ष में हैं। अमरीकी अध्ययनकर्ताओं ने लगभग दस साल पहले यह सवाल पूछना शुरू किया कि अगर हम लोगों को बौद्धिक रूप से थोड़ा और विनम्र बना सकें तो इसका क्या मतलब होगा? यदि हम लोगों को यह एहसास दिलाएँ कि उनका विश्वास और दृष्टिकोण कभी-कभी गलत भी हो सकता है, तो क्या इससे उनके निर्णयों में सुधार होगा और क्या वे अन्य लोगों के साथ असहमति और संघर्ष से निपट पाएँगे? भारतीय राजनीति ही नहीं समूची मानव सभ्यता आज जिस मुकाम पर है वहाँ वास्तव में आवश्यकता इस बात की है कि लोगों को उनके विचारों की सटीकता में अधिक यथार्थवादी बनाने के लिए तैयार किया जाय। अकादमिक अध्येता इस सवाल का जवाब खोज रहे हैं कि क्या बौद्धिक विनम्रता एक ऐसा तरीका है जिसे विकसित किया जा सकता है? या क्या यह मानव व्यक्तित्व की एक विशेषता है जो कुछ लोगों में होती है और कुछ लोगों में नहीं होती? मनोविज्ञान के अध्येता मानते आये हैं कि लोग निश्चित रूप से बौद्धिक रूप से विनम्र होने के स्तरों में एक समान नहीं होते, उनमें भिन्नता होती है। लोगों की अनिश्चितता के प्रति सहनशीलता के बारे में सोचें तो बौद्धिक रूप से विनम्र होना और यह स्वीकार करना कठिन होता है कि यदि हम हर समय निश्चितता चाहेंगे तो चीजों को नहीं जान पाएँगे। किसी का पालन-पोषण कैसे हुआ है इसका भी इस बात से बहुत लेना-देना होता है। हमें यह प्रवृत्ति कहाँ से मिली? हम जो जानते हैं वह जानकारी कहाँ से आई है? यह एक व्यक्तिगत विशेषता है, लेकिन मन को एक स्थिति भी है जो कभी-कभी उभरती है। क्या हम इसे साध सकते हैं? यह वह बड़ा सवाल है जिस पर अभी पश्चिम में लोग अध्ययन कर रहे हैं और यह जानने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या लोगों को बौद्धिक रूप से अधिक विनम्र बनाने के तरीके विकसित किए जा सकते हैं?

वे पैरामीटर क्या है या ऐसी चीजें क्या हैं जो यह निर्धारित करने में मदद करती हैं कि कोई व्यक्ति बौद्धिक रूप से विनम्र होगा या नहीं होगा? इस सवाल के उत्तर खोजने के लिये विशेषज्ञों ने व्यक्तित्व की विशेषताओं पर अध्ययन किया है। उदाहरण के लिए, उन्हें यह जानकारी है कि जो लोग सोचने में बड़ा आनंद लेते हैं उनमें बौद्धिक विनम्रता अधिक होती है। जो लोग अधिक सोचना पसंद करते

अध्येता मानते हैं कि बौद्धिक विनम्रता विकसित की जा सकती है। इसके लिये बस यह पहचानना होता है कि मैं गलत हो सकता हूँ। जब हम महसूस करने लगते हैं कि हम सभी में यह प्रवृत्ति होती है कि हम कितने सही हैं, इसे बढ़ा-चढ़ाकर आंकते हैं, तो हम अपने आप को जांचने की कोशिश करना शुरू करने लगते हैं।

कह सकते हैं, कि हाँ ठीक है, लेकिन मैं पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हो सकता कि मैं इस बारे में सही हूँ। कई अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि अपने विश्वास में निश्चित होने के मामले में पुरुष महिलाओं की तुलना में बौद्धिक रूप से थोड़े कम विनम्र होते हैं। एक अप्रकथित अध्ययन बताता है कि बौद्धिक विनम्रता पर शिक्षा का जबरन असर पड़ता है। जितनी अधिक गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा कोई प्राप्त करता है, वह बौद्धिक रूप से उतना ही अधिक विनम्र होता है, इस अर्थ में कि वह उन सभी सूचनाओं को पहचानना शुरू कर देता है जिनके बारे में उसे कोई जानकारी नहीं होती। हालाँकि स्कूली शिक्षा सामान्यतः बौद्धिक विनम्रता को बढ़ाती है किन्तु वह उन क्षेत्रों में बौद्धिक विनम्रता को कम भी कर देती है जिनमें हम विशेषज्ञता हासिल करते हैं। सामान्यजन की तुलना में एक विशेषज्ञ अपने विश्वासों के बारे में अधिक आश्वस्त होता है। इसलिए विशेषज्ञता और विशेषज्ञता के क्षेत्रों की बात आती है तो वहाँ बौद्धिक विनम्रता कम हो जाती है। अध्येता मानते हैं कि बौद्धिक विनम्रता विकसित की जा सकती है। इसके लिये बस यह पहचानना होता है कि मैं गलत हो सकता हूँ। जब हम महसूस करने लगते हैं कि हम सभी में यह प्रवृत्ति होती है कि हम कितने सही हैं, इसे बढ़ा-चढ़ाकर आंकते हैं, तो हम अपने आप को जांचने की कोशिश करना शुरू करने लगते हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम बस झुक जाएँ और कहें, "ठीक है, मैं हार मान लेता हूँ, मैं गलत हूँ।" वास्तव में इसका मतलब यह है कि हम अपनी मान्यताओं पर थोड़ा कम आत्मविश्वास से रखें और अधिक कारणों की तलाश करें।

अध्येताओं की राय है कि रोल मॉडलिंग के माध्यम से भी लोगों में बौद्धिक विनम्रता बढ़ाई जा सकती है। जैसे स्कूल की कक्षाओं में, शिक्षकों का छात्रों के प्रश्न पूछने पर खुले तौर पर स्वीकार करना कि, 'मैं नहीं जानता।' या यह उत्तर देना कि, 'मैं इस बारे में गलत हो सकता हूँ। मैंने वास्तव में इस पर गहराई से ध्यान नहीं दिया है। बौद्धिक विनम्रता वास्तव में कमजोरी की बजाय परिपक्वता और बुद्धिमत्ता की निशानी है। खुली मानसिकता और बौद्धिक विनम्रता में निकटता का संबंध होता है। बौद्धिक विनम्रता में हमारे पास पहले से मौजूद विश्वास और इस संभावना को शामिल करना शामिल है कि हम गलत हो सकते हैं। दूसरी तरफ हम उन चीजों के बारे में खुले विचारों वाले हो सकते हैं जिनके बारे में हमने पहले कभी नहीं सोचा था, और उसे पहली बार सुन रहे होते हैं और उसे स्वीकार करने को तैयार हैं। मगर इसमें कोई निश्चितता नहीं है क्योंकि ऐसा नहीं है कि आप किसी अन्य तरीके से विश्वास कर रहे थे कि आप इसके बारे में सही थे, और अब आप इस संभावना पर विचार कर रहे हैं कि आप गलत हो सकते हैं। अध्येता इस बात पर भी सतर्क हैं कि बहुत अधिक बौद्धिक विनम्रता रोजमर्रा की जिंदगी में किसी को पंगु न बना दे। बहुत से लोग कहते भी हैं कि मैं बौद्धिक रूप से विनम्र नहीं होना चाहता क्योंकि इसका मतलब है कि मैं आशाहीन होने जा रहा हूँ। मैं चीजों पर कोई स्टैंड नहीं लूँ। मगर शोध में अध्ययनकर्ताओं को ऐसा नहीं मिला। इसका कारण यह है कि बौद्धिक विनम्रता तीन चीजों पर आधारित होती है। एक तो यह कि मेरे पास वह सारी जानकारी नहीं है जो मुझे चाहिए। दूसरी संभावना यह कि मेरे पास बहुत सारी जानकारी है, लेकिन वह जानकारी इस तरह से पक्षपातपूर्ण हो सकती है कि मैं उसको नहीं मान सकता, और तीसरा यह कि शायद मेरे पास इसमें शामिल सभी साक्ष्यों को वास्तव में समझने की प्रष्टभूमि या क्षमता नहीं है। यह विश्वास की वैधता का एक बहुत ही तार्किक मूल्यांकन है। ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिन पर हम विश्वास करते हैं और मानते हैं क्योंकि किसी विशेषज्ञ ने हमें वैसा बताया है, इसलिए नहीं कि हमने वास्तव में उसका पता लगाया है। बौद्धिक रूप से विनम्र लोग अपनी जानकारी की वैधता को खोज में लगते हैं क्योंकि उन्हें सिर्फ इसलिए नहीं झुकना है क्योंकि कोई और कहता है कि आप गलत हैं। वास्तव में अन्य लोगों की बातों में नहीं आते हुए भी बौद्धिक रूप से पूरी तरह विनम्र हुआ जा सकता है। यह समझ हो जाना ही काफी है कि हमारे सोच की दुनिया वैसी है, क्योंकि यही हमें सिखाया गया है जो कि जरूरी नहीं कि सच हो।

—अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राशिफल

बुधवार 9 अक्टूबर, 2024

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत् 2081, मूल नक्षत्र गुरुवार प्रातः 5:15 तक, सोमवार योग प्रातः 6:36 तक, तैलिक करणदिन 12:15 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरु-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से गुरुवार प्रातः 5:15 तक है। आज गुरु वक्रादि दिन 12:35 से होगा। आज छठ पूजन और मेला है। आज सरस्वती आवाहन, तप षष्ठी है। आज से जैन ओली आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघडिया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:21 तक, शुभ 10:47 से 12:14 तक, चर 3:08 से 4:35 तक, लाभ 4:35 से सूर्यास्त तक। राहुकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:01

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वसन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए एडवेंड अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रतासुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। मन का भय दूर होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादादि मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खर्च हो सकता है। मन में संतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। नैकीरिपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

देवी-देवताओं की सवारियां



प्रो. अशोक कुमार

विभिन्न देवताओं की सवारियों के बारे में जानकारी कई धर्मों और संस्कृतियों में पाई जाती है। ये सवारी, देवता के स्वरूप, शक्तियाँ और गुणों को दर्शाती हैं। हालाँकि, इनके बारे में कोई एकल, सर्वसम्मत से स्वीकृत तथ्य नहीं है, क्योंकि वे अक्सर धार्मिक ग्रंथों, लोककथाओं और कलाकृतियों की व्याख्या पर आधारित होते हैं।

कुछ प्रमुख देवताओं और उनके वाहनों के बारे में जानें:-

शिवजी का वाहन नंदी (बैल) है। नंदी धैर्य, शक्ति और स्थिरता का प्रतीक है। यह शिवजी के शांत और शक्तिशाली स्वभाव को दर्शाता है। विष्णु जी का वाहन गरुड़ है। गरुड़ एक पौराणिक पक्षी है जो ज्ञान, वीरता और निष्ठा का प्रतीक है। यह विष्णु जी के सर्वव्यापी और संरक्षक स्वभाव को दर्शाता है। दुर्गा माता की सवारी शेर है। शेर शक्ति, साहस और क्रोध का प्रतीक है। यह दुर्गा माता की रौद्र रूप को दर्शाता है। गणेश जी की सवारी चूहा है। चूहा बुद्धि, विवेक और बाधाओं को दूर करने की क्षमता का प्रतीक है। यह गणेश जी की बुद्धिमान और बाधाओं को दूर करने वाले स्वभाव को दर्शाता है। कार्तिकेय का वाहन मयूर है। मयूर सौंदर्य, गौरव और युद्ध का प्रतीक है। यह कार्तिकेय के युद्ध देवता होने के रूप को दर्शाता है। लक्ष्मी माता की सवारी उल्लू है। उल्लू ज्ञान और धन का प्रतीक है। यह लक्ष्मी माता के धन की देवी होने के रूप को दर्शाता है।

वाहनों का महत्व:- प्रत्येक वाहन देवता के स्वभाव और गुणों का प्रतीक है। वाहन देवताओं की पूजा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वाहनों को मूर्तियों, चित्रों और मंदिरों में व्यापक रूप से चित्रित किया जाता है।

क्यों विभिन्न देवताओं के अलग-अलग वाहन हैं? प्रत्येक देवता का एक विशिष्ट स्वभाव होता है, और उस स्वभाव को दर्शाने के लिए एक विशिष्ट वाहन चुना जाता है। प्रत्येक देवता की अलग-अलग शक्तियाँ होती हैं, और उन शक्तियों को दर्शाने के लिए एक विशिष्ट वाहन चुना जाता है।

कथाएं:- कई वाहनों से जुड़ी पौराणिक कथाएं हैं जो देवता और वाहन के बीच के संबंध को दर्शाती हैं। गणेश जी छोटे-से चूहे पर सवार होते हैं। आपके मन में भी यह ख्याल आया होगा कि आदिशिव गणेश जी ने मूक को ही अपना वाहन क्यों बनाया। दरअसल भगवान गणेश द्वारा चूहे को अपना वाहन बनाने के पीछे कई पौराणिक कथाएँ मिलती हैं। तो चलिए जानते हैं इसका कारण।

1. समुद्र मंथन की कथा :- जब देवताओं और असुरों ने समुद्र मंथन किया था, तब उसमें से कई रत्न निकले थे। इन रत्नों में से एक था हलाहल विष। यह विष इतना जहरीला था कि अगर कोई इसे पी लेता तो सारा संसार नष्ट हो जाता। तब भगवान शिव ने इस विष को पी लिया, लेकिन यह उनके गले में फंस गया। तब माता पार्वती ने गणेश जी को बुलाया और कहा कि वे जाकर भगवान शिव के गले से विष निकाल दें। गणेश जी ने तुरंत भगवान शिव के पास जाकर विष पी लिया, लेकिन उनकी गर्दन नीली पड़ गई। इसी दौरान एक चूहा गणेश जी के पैर पर चढ़ गया और विष को चाटने लगा। गणेश जी ने चूहे को रोकने की कोशिश की, लेकिन चूहा विष पी गया और मर गया। गणेश जी बहुत दुखी हुए और उन्होंने चूहे को पुनर्जीवित कर दिया। तब से चूहा गणेश जी की सवारी बन गया।

2. मुनि वामदेव ने दिया श्राप :- पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार इंद्र देव के दरबार में एक क्रोच नामक गर्भवती था। जब इंद्र का दरबार चल रहा था, तो क्रोच हंसी टिठोली में लगा हुआ था, जिससे दरबार में बाधा उत्पन्न होने लगी। अपनी मस्ती में मस्त क्रोच ने मुनि वामदेव के ऊपर पैर रख दिया। इससे मुनिदेव क्रोधित हो उठे और क्रोच को चूहा बनने का श्राप दे दिया। चूहा बनने के बाद भी वह नहीं सुधरा और उसने पराशर ऋषि के आश्रम में बहुत उत्पात मचाया। चूहे के आतंक से परेशान होकर ऋषि, भगवान गणेश की शरण में पहुंचे और उन्हें सारी बात बताई। तब भगवान गणेश ने उस उत्पाती चूहे को सबक सिखाने के लिए पाश फेंका, जिसमें वह फंस गया। इसके बाद वह गणेश जी से क्षमायाचना करने लगा, जिससे गणेश जी को उस पर दया आ गई और उसे अपना वाहन बना लिया।

3. गजमुख दानव और गणेश जी :- एक समय की बात है, एक बहुत बड़ा दानव था जिसका नाम गजमुख था। वह बहुत शक्तिशाली था और सभी देवताओं को परेशान करता था। सभी देवता गजमुख से डरते थे, लेकिन गणेश जी ने उसका सामना करने का निश्चय किया। एक भयंकर युद्ध हुआ, जिसमें गणेश जी का एक दाँत टूट गया, फिर गणेश जी को इतना गुस्सा आया और उन्होंने गजमुख को पराजित कर दिया। गजमुख गणेश जी की शक्ति से बहुत प्रभावित हुआ और उनका भक्त बन गया। गणेश जी ने गजमुख को एक वरदान दिया कि वह हमेशा उनके साथ रहेगा। धीरे-धीरे, गजमुख का रूप बदलकर चूहे का हो गया और वह गणेश जी की सवारी बन गया।

भगवान गणेश द्वारा एक छोटे और दुर्बल जीव को वाहन बनाने के पीछे यह भी है कि गणेश जी कमजोर और दुर्बलों पर कृपा करते हैं। यही कारण है कि एक छोटे से चूहे पर कृपा कर उन्होंने उसे अपने वाहन के रूप में स्वीकार किया। साथ ही उसे इतना प्रबल बनाया कि वह गणेश जी का भार उठा सके। साथ ही

गणेश जी का चूहे को वाहन बनाना इस बात का भी संकेत है कि संसार में कभी किसी को छोटा या तुच्छ नहीं समझना चाहिए, क्योंकि हर किसी की अपनी एक उपयोगिता और क्षमता है।

लक्ष्मी जी को धन की देवी माना जाता है और उल्लू को उनका वाहन माना जाता है। यह एक ऐसा संयोग है जो कई लोगों को आश्चर्यचकित करता है। आश्चर्यकार, उल्लू को अक्सर बुराई और अंधकार से जोड़ा जाता है। तो फिर लक्ष्मी जी ने उल्लू को अपना वाहन क्यों चुना? इस प्रश्न का उत्तर जानने के लिए हमें एक पौराणिक कथा को और जानना होगा।

पौराणिक कथा:- एक बार माता लक्ष्मी पृथ्वी पर घूम रही थीं। वे एक ऐसे स्थान की तलाश में थीं जहाँ वे निवास कर सकें। उन्होंने चारों ओर देखा, लेकिन उन्हें कोई भी ऐसा पशु या पक्षी नहीं मिला जो उन्हें अपना वाहन बनने के लिए तैयार हो। तभी उन्होंने एक उल्लू को देखा। उल्लू अंधेरे में भी बहुत अच्छी तरह देख सकता था। वह बहुत ही बुद्धिमान और चालुक था। माता लक्ष्मी ने उल्लू से कहा, 'तुम मेरा वाहन बनोगे?' उल्लू ने तुरंत हाँ कर दी।

उल्लू को वाहन क्यों चुना? उल्लू को ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। माता लक्ष्मी ज्ञान और बुद्धि की देवी भी हैं। इसलिए उन्होंने उल्लू को अपना वाहन बनाकर ज्ञान और बुद्धि का प्रतीक बनाया। उल्लू अंधेरे में भी बहुत अच्छी तरह देख सकता है। यह उसकी दूरदर्शिता का प्रतीक है। माता लक्ष्मी भविष्य को देख सकती हैं। इसलिए उन्होंने उल्लू को अपना वाहन बनाकर दूरदर्शिता का प्रतीक बनाया। उल्लू शांत और एकांत स्थानों पर रहना पसंद करता है। यह शांति और एकांत का प्रतीक है। माता लक्ष्मी भी शांति और एकांत को पसंद करती हैं। इसलिए उन्होंने उल्लू को अपना वाहन बनाकर शांति और एकांत का प्रतीक बनाया।

आधुनिक दृष्टिकोण:- आज के समय में, उल्लू को बुराई और अंधकार से जोड़ना एक गलत धारणा है। उल्लू

कुछ अन्य कारण भी हैं:-
शेर की गति: शेर एक तेज गति वाला जानवर है। यह दुर्गा माता की गतिशीलता और तेजी को दर्शाता है।
शेर की दृष्टि: शेर की तीक्ष्ण दृष्टि बुराई को पहचानने और उसका नाश करने की क्षमता को दर्शाती है।
निष्कर्ष:- दुर्गा माता का शेर पर सवार होना, उनकी शक्ति, साहस, विजय और राजसी स्वभाव को दर्शाता है। यह एक गहरा धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है जो भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान रखता है।
—अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति गोरखपुर,
कानपुर विश्वविद्यालय

अजमेर डिस्कॉम ने 17 जिलों में अभियान चलाकर 1258 जगह बिजली चोरी पकड़ी

डिस्कॉम ने 2.75 करोड़ रुपए जुर्माना लगाया, 597 जगहों पर बिजली का गलत इस्तेमाल मिला

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने डिस्कॉम के सभी 17 जिलों में बिजली चोरों के खिलाफ अभियान की शुरुआत इस माह से कर दी है। निगम द्वारा चलाए जा रहे बिजली चोरों के विरुद्ध अभियान के तहत डिस्कॉम जिलों में 8602 जगहों पर सतर्कता जांच की, इनमें 1258 जगहों पर बिजली चोरी पकड़ी गई, जिन पर 2 करोड़ 75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। अभियान में 597 मामले बिजली के

गलत इस्तेमाल के दर्ज किए हैं, इन पर 99.85 लाख रुपयों का जुर्माना लगाया है।

अजमेर विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक केपी वामा ने बताया कि डिस्कॉम ने बिजली चोरों को सबक सिखाने और राजकोष को बचाए रखने से रोकने के लिए बिजली चोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में और अधिक तेजी लाई गई है। उन्होंने बताया कि डिस्कॉम ने इस साल 10 प्रतिशत से कम बिजली

डिस्कॉम द्वारा बिजली चोरों को सबक सिखाने और राजकोष को बचाए रखने से रोकने के लिए अभियान में और अधिक तेजी लाई गई है : वरमा

छीजत का लक्ष्य रखा है। इसके लिए अजमेर डिस्कॉम की विजिलेंसिंग को इस अभियान में और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

जनसम्पर्क अधिकारी सतीश सोनी ने बताया कि डिस्कॉम की टीम में सबसे अधिक चित्तौड़गढ़ जिले के

99, झुंझनू में 186, सोकर में 147, नीम का थाना में 113, बांशवाड़ा में 76, डूंगरपुर में 59, प्रतापगढ़ में 56, राजसमंद में 12, उदयपुर में 49 व सलगुबर सर्किल में 6 मामले बिजली चोरी के पकड़े। सभी बिजली चोरों पर कुल 2 करोड़ 75 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके अतिरिक्त अजमेर सर्किल में 20, ब्यावर में 16, केकड़ी में 13, भीलवाड़ा में 116, शाहपुरा में 42, नागौर में 60, डोंडवाना कुचामन में

गुलाब बाग को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने की पहल

उदयपुर कलेक्टर पोसवाल ने जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक ली

उदयपुर, (निसं)। जिला पर्यटन विकास समिति की बैठक मंगलवार को कलेक्टर मिनी सभागार में समिति अध्यक्ष और जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में शहर की ऐतिहासिक व प्राकृतिक धरोहर गुलाब बाग को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराने को लेकर प्रस्ताव करने का निर्णय लिया गया। जिला कलेक्टर ने नगर निगम और पर्यटन विभाग को संयुक्त रूप से प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उदयपुर शहर के लिए ट्यूरिज्म मास्टर प्लान तैयार करने, शहर में एआई आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने, सूचना केन्द्र की प्रवृत्ति शिप्टेर को लोक कलाकारों की प्रस्तुति के लिए तैयार करने सहित पर्यटन विकास व पर्यटकों की सुविधाओं को लेकर सुझावों पर चर्चा भी की गई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश, युडीए आयुक्त राहुल जैन, स्मार्ट सिटी लिमिटेड के एसीओ कृष्णपालसिंह चौहान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माथुरी वर्मा, पीएचडीडी अधीक्षक अभियंता अनिल पाण्डे, परिवहन अधिकारी अनिल सोनी सहित अन्य अधिकारी, होटल एसोसिएशन व गाइड एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर पोसवाल की पहल पर उदयपुर शहर के लिए ट्यूरिज्म मास्टर प्लान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम तैयार कराने का प्रस्ताव रखा। उपनिदेशक पर्यटन शिखा सक्सेना ने कहा कि ट्यूरिज्म मास्टर प्लान समय की मांग है, यदि उदयपुर में मास्टर प्लान तैयार किया जाता है तो यह प्रदेश का पहला जिला होगा। बैठक में एक निजी फर्म को ओर से मास्टर प्लान की आवश्यकता को लेकर तैयार पीपीटी का प्रजेंटेशन भी दिया। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को लेकर भी एक डॉक्यूमेंट्री भी प्रस्तुत की गई। जिला कलेक्टर ने

उदयपुर शहर के लिए ट्यूरिज्म मास्टर प्लान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम तैयार कराने का प्रस्ताव रखा

शहर के किसी भी एक स्थल का चयन कर एआई आधारित ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम का पायलट प्रोजेक्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने पर्यटकों के मनोरंजन के लिए शहर में विविध स्थलों पर लोक कलाकारों के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बारे में जानकारी ली। पोसवाल ने सूचना केंद्र में बने ओपन थियेटर का जिक्र करते हुए कहा कि बहुत अच्छा स्थल है, यहाँ पहले फिल्म गाइड के गीत की शूटिंग भी हो चुकी है। युडीए के माध्यम से विकास कार्य भी कराया गया है। उन्होंने ओपन थियेटर में पर्यटकों को लोकर केन्द्र व लोक कला मण्डल की तर्ज पर पर्यटकों के लिए नियमित सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव देते हुए उसके लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार

अधीक्षक से चर्चा कर आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर पोसवाल ने नगर निगम और पर्यटन विभाग की ओर से पर्यटकों के लिए प्रस्तावित हेरिटेज वॉक को प्रमोट करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने पर्यटकों को लपकों की ओर से परेशान किए जाने की सूचना पर पर्यटन थाना प्रभारी कर्मवीरसिंह को लपकों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इस पर थाना प्रभारी ने नियमित रूप से की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया। जिला कलेक्टर ने परिवहन विभाग को आर्टो रिक्षा चालक एसोसिएशन के साथ बैठक कर उनकी रेट रिवाइज करार मीटर का उपयोग सुविधित करने के निर्देश दिए। शहर के रात्रि के समय पर्यटकों के लिए भोजन आदि की समस्या के मद्देनजर शहर में कुछ स्थल चिह्नित करने तथा पुलिस अधीक्षक से चर्चा कर आवश्यक व्यवस्था करने की बात कही।



हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार्दिक पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ खुशी मनाई। भाजपा की विजय पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं को स्वयं जलेबी बनाकर खिलाई।

भजनलाल के नेतृत्व में हरियाणा की जीत का भारी हर्षोल्लास दिखा भाजपा मुख्यालय पर

भजनलाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को जीत की खुशी में अपने हाथ से जलेबियाँ बनाकर खिलाईं

जयपुर, 8 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब देते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह के विजय पर फिर से विश्वास जताया है। वहाँ के जागरूक मतदाता ने विकसित भारत, विकसित हरियाणा के लिए वोट देकर बड़े जनादेश के साथ भाजपा को जिताया है। इसके लिए वहाँ की जनता बधाई की पात्र है।

उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जो कहते हैं, वो करते हैं और जो करते

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरियाणा की भारी जीत के लिये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा भाजपा की पूरी टीम, हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीषा पुनिया, राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ तथा राजस्थान के कार्यकर्ताओं की मेहनत की सराहना की व बधाई दी।

हैं, वही कहते हैं। इसलिए पूरे देश की जनता में उनके प्रति अटूट विश्वास है। जबकि, कांग्रेस लुट, झूठ और अफवाहों का सहारा लेकर राजनीति करती है। आज हरियाणा की जनता ने कांग्रेस को इस राजनीति को नकार कर करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जब मैं हरियाणा में चुनाव प्रचार के लिए गया था, तो वहाँ की जनता के

भारी उत्साह को देखकर मैंने साफ कहा था कि हरियाणा में भाजपा की जीत की हार्दिक बनेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में होने जा रहे चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी जीत हासिल करेगी। यहाँ तक कि, 2029 के लोकसभा चुनाव में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा

चौथी बार भारी बहुमत से जीत हासिल करेगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व को इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा भाजपा की पूरी टीम को इस जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने हरियाणा चुनाव प्रभारी सतीषा पुनिया,

राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ और राजस्थान के कार्यकर्ताओं को भी हरियाणा चुनाव में की गई अथक मेहनत के लिए धन्यवाद दिया।

गौरतलब है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ने जिन विधानसभा सीटों पर प्रचार किया, उनमें से असंघ में भाजपा 2 हजार 306 मतों से, समालखा में 19 हजार 315 मतों से, तोशाम में 14 हजार 257 मतों से, इन्द्री में 15 हजार 149 मतों से, राई में 4 हजार 673 मतों से विजयी रही, जबकि लोहारू में कांग्रेस ने केवल 792 मतों से जीत हासिल कर पाई।

नियमों में संशोधन कर राजस्व प्रकरण जल्दी निपटायें- मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के नियम विरुद्ध भू-आवंटन पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये

जयपुर, 8 अक्टूबर। मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्व विभाग जमीनों से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण में तेजी लाएँ, ताकि आमजन को त्वरित एवं सुलभ न्याय मिल सके। उन्होंने विभाग को कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने के लिए वर्तमान नियमों में यथासंभव संशोधन करने एवं नियमों के सरलीकरण के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि पटवारी, गिरदावर, नायब तहसीलदार आदि की जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए राजस्व संबंधी प्रकरणों का एक निश्चित समयविधि में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीलेट अथॉरिटी को कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करते हुए, इसके सुचारु संचालन के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय को एक कार्ययोजना प्रेषित करने के निर्देश भी दिए।

शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के समय में नियम विरुद्ध किए गए जमीन आवंटनों के प्रकरणों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। साथ ही, उन्होंने पर्यटन एवं एग्री प्रोसेसिंग जैसे प्रोजेक्ट के लिए निःशुल्क ऑनलाइन डीमड कन्वर्जन के सुसंगत नियम बनाने के निर्देश दिए, ताकि वर्तमान में मिल रही

■ राजस्व व उपनिवेशन विभाग की समीक्षा में मुख्यमंत्री ने रेवेन्यू अपीलेट अथॉरिटी के कामकाज पर कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिये।

■ उन्होंने पर्यटन तथा एग्री प्रोसेसिंग जैसे प्रोजेक्ट के लिये निःशुल्क ऑनलाइन डीमड कन्वर्जन के नियम बनाने के आदेश दिये।

कन्वर्जन छूट का दुरुपयोग न हो। शर्मा ने वनप्रत्यावर्तन के क्रम में गैर वन भूमि के शीघ्र आवंटन के लिए एक लेण्ड बैंक स्थापित करने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 9 से 11 दिसम्बर, 2024 तक जयपुर में "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट" का आयोजन करने जा रही है। इस आयोजन से निवेश का नया वातावरण तैयार होगा और प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य में बदलाव आएगा। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को भूमि आवंटन पोर्टल पर बड़े भू-भागों की सूची उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं, जिससे इच्छुक निवेशक को उद्योग लगाने में सुविधा मिल सके।

शर्मा ने कहा कि आवेदकों को त्वरित सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से नामांतरण पोर्टल एवं रेवेन्यू लेण्ड कन्वर्जन पोर्टल संचालित किए जा रहे

हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग सूचना तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के माध्यम से काफ़तकारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में नवाचार कर रहा है, जिसके माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ भी मिला है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में पटवारी एग्रीटेक पेप के माध्यम से ई-गिरदावरी कर रहे हैं।

बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मोणा एवं राज्य मंत्री विजय सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व एवं उपनिवेशन दिनेश कुमार, राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष हेमन्त कुमार गौर सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मंदिर से घर आते ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
पर हमला कर दिया। पैंथर के हमले से दोनों बाइक से गिर गए, लेकिन सड़क पर अन्य वाहनों की आवाज से पैंथर भाग गया।

हमले के शिकार साकरोदा निवासी महेन्द्र सिंह ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ आशापुरा माताजी मंदिर के दर्शन करने गए थे। रात करीब 9 बजे बाइक से घर लौटते समय माताजी मंदिर के पास ही साकरोदा-भल्लो का गुड़ा मार्ग पर पहाड़ी की झाड़ियों में से निकलकर अचानक पैंथर ने उनकी बाइक पर झपट्टा मार दिया।

पैंथर बाइक के आगे के मास्क से टकराया और पति-पत्नी नीचे गिर गए। महेन्द्र सिंह ने बताया कि पैंथर उनकी तरफ बढ़ता उससे पहले ही रोड पर कुछ लोग आ गए।

उनके शोर मचाने से पैंथर भाग गया। दोनों के हाथ-पैरों पर हल्की चोट आई है और बाइक के आगे का मास्क टूट गया है। ग्रामीणों ने इस स्थान पर पिंजरा लगाने की मांग की है। लोगों ने बताया कि पहले भी यहां खेत पर एक महिला पर पैंथर ने हमला कर दिया था, उसके बाद यह दूसरी घटना है।

हरियाणा की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
प्रचार के आरम्भ में ही महसूस हो गया था कि उनके व्यक्तित्व का जादू काम नहीं कर रहा है, इसलिए उन्होंने पांच जनसभाओं को सम्बोधित करने के बाद, स्वयं को प्रचार अभियान से दूर कर लिया तथा जन-आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को उभारने के लिये अन्य मंत्रियों को आगे कर दिया था।

हालाँकि केवल एक राज्य के चुनाव परिणाम व्यापक सन्दर्भ में बहुत ज्यादा अर्थ नहीं रखते, लेकिन हरियाणा के चुनाव इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये चुनाव भाजपा की हार के लिए पूरा-पूरा आधार प्रस्तुत कर रहे थे। पार्टी एक ऐसे राज्य में लगातार दो बार सत्ता में रह चुकी थी, जहाँ कोई भी पार्टी लगातार तीसरी बार नहीं जीती है। पार्टी को, कुश्क-विरोध के बाद, दबदबे वाले जाट समुदाय के विरोध का भी सामना करना था। राज्य के पहलवानों का विरोध भी पार्टी की स्थिति को बहुत खराब करने वाले कारक के रूप में देखा जा रहा था, क्योंकि हरियाणा में खेलों का बहुत ज्यादा महत्व है। भाजपा को चुनावों से ठीक पहले राज्य के शीर्ष पद पर आसीन मनोहर लाल खट्टर को पद से हटाना पड़ा था, क्योंकि वे मतदाताओं में अलोकप्रिय होते जा रहे थे। तथा पार्टी को एक नये मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चुनाव लड़ना था, जो अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी, कांग्रेस नेता भूपिन्दर सिंह हुड्डा के कद के समकक्ष नहीं थे। और सबसे ऊपर, एजिजट पोलस तथा जनमानस एवं जनभावनाएं कांग्रेस के पक्ष में थीं। लोकसभा चुनाव परिणामों, खासतौर से उत्तर प्रदेश के परिणामों, जहाँ भाजपा ने विश्वेश दर्लौ के हाथों बड़ी हार झेली थी, से हतोत्साहित हुए कार्यकर्ताओं के मनोबल में उछाल आने के साथ ही, हरियाणा की जीत से पार्टी को छवि उन्नत मतदाताओं में भी सुधरेगी, जो पिछले कुछ महीनों से भाजपा के पतन तथा इंडिया ब्लाक के उथान के किस्से सुन रहे थे।

दूसरी तरफ, इससे विश्वेश ब्लाक में भी कुछ वैमनस्य पैदा होगा, क्योंकि विश्वेश ब्लाक अपनी चुनावी रणनीति तथा सीट-शेयरिंग व्यवस्था पर पुनर्विचार एवं उसका पुनर्मूल्यांकन करने के लिये बाध्य हो जायेगा, क्योंकि कांग्रेस तथा उसके नेता राहुल गांधी के प्रत्युत को हरियाणा की हार से क्षति पहुँचेगी।

यह स्वीकार करना ही...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
कांग्रेस को निराशा हाथ लगी। हुडा गुट ने हरियाणा में आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी व अन्य छोटे दलों को साथ लेने से साफ इन्कार कर दिया, यही नहीं पार्टी में भी उन्होंने विरोधियों से तालमेल नहीं किया, जिसकी वजह से भाजपा विरोधी वोट बंट गए। इस समय उन 17 सीटों के डेटा उपलब्ध हैं जहाँ कांग्रेस मामूली अंतर से हारी है। इस हार को जीत में बदला जा सकता था अगर पार्टी ने जमीनी हकीकत और समय की मांग को स्वीकार किया होता।

■ ऐसा लगा कि प्रदेश के नेताओं की पूरी कोशिश इसी दिशा में लगी कि कैसे हरियाणा की राजनीति के अखाड़े पर उनका एकाधिकार रहे, कोई बाहरी व्यक्ति इस अखाड़े में दखलदाजी न कर पाये।

कांग्रेस को भारी जीत की उम्मीद थी, जिसकी भविष्यवाणी एजिजट पोलस ने भी की थी। सुबह 9 बजे जब शुरुआती रुझानों में कांग्रेस आगे चल रही थी तब पार्टी मुख्यालय पर पार्टी कार्यकर्ता पटाखे चला रहे थे और जलेबी बाँट रहे थे, पर 10 बजे जब रुझानों में भाजपा के आगे निकलने की बात सामने आई तो ढोल, मिठाई पटाखे सब गायब हो गया। नेताओं के चेहरे पर मायूसी छाई हुई थी।

पार्टी ऑफिस में कुछेक नेता और मीडिया वाले ही थे, कुछ नेता इस हार के लिए ई.वी.एम. को दोषी ठहराते हुए दिखे तो कुछ ने टिकट वितरण को दोषी ठहराया, पर इस हार पर सभी हैरान थे। एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा, भारी सत्ता विरोधी लहर थी, हमें यकीन नहीं

हो रहा आखिर वे क्या हुआ। ओलम्पिक खिलाड़ी पहलवान विनेश फोगाट जीत गईं, उन्होंने जुलाना से अपने विरोधी भाजपा के योगेश कुमार को हराया।

मंगलवार दिन में दो बजे भाजपा 47 सीटों पर आगे थी और कुछ पर जीत गई थी, कांग्रेस 38 सीटों पर आगे थी। कई एजिजट पोलस ने हरियाणा में कांग्रेस की शानदार जीत की भविष्यवाणी की थी।

जम्मू-कश्मीर में भी कांग्रेस को निराशा मिली है। हालाँकि, नैशनल कॉन्फ्रेंस को बहुमत मिला है, पर कांग्रेस 6 सीटें ही जीत पाई। अन्तर्गत जिला कांग्रेस को यह स्वीकार करना होगा कि भाजपा चुनाव प्रबंध कांग्रेस से काफी बेहतर है और कांग्रेस में भारी गुटबाजी है।

जम्मू-कश्मीर में नैशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटों के साथ बहुमत हासिल किया

नैशनल कॉन्फ्रेंस ने 42 सीटें जीतीं, सहयोगी कांग्रेस 6 सीट ही जीत पाई

श्रीनगर/जम्मू, 08 अक्टूबर। जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के हटने और एक दशक के बाद हुए विधानसभा चुनावों में नैशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.)-कांग्रेस गठबंधन ने बहुमत हासिल कर लिया है। केन्द्र शासित प्रदेश में विधानसभा की 90 सीटों में से एन.सी.-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीतीं, जिससे बहुमत का आंकड़ा 46 पर हो गया। वरिष्ठ राजनेता फारूक अब्दुल्ला के

नेतृत्व में एन.सी. ने 42 सीटें हासिल कीं, जिनमें कश्मीर क्षेत्र से 35 और जम्मू से सात सीटें शामिल हैं। कश्मीर पार्टी में एन.सी. ने 40 सीटों पर चुनाव लड़ा था। एन.सी. के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बडगाम और गंदरवल, दोनों सीटों पर जीत हासिल की है। चुनाव नतीजों पर टिप्पणी करते हुए एन.सी. अध्यक्ष एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि ये केन्द्र के पांच अगस्त,

2019 के कदम (जिसने जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया था) को स्पष्ट अस्वीकृति का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने घोषणा की कि उमर अब्दुल्ला गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री होंगे। विधानसभा चुनावों में एन.सी. की सहयोगी कांग्रेस ने खराब प्रदर्शन किया है और पार्टी सिर्फ छह सीटें ही जीत सकी है, जिनमें से पांच कश्मीर क्षेत्र से आईं। जम्मू में कांग्रेस ने सबसे खराब प्रदर्शन किया और पार्टी

केवल राजौरी (एस्.टी.) सीट जीतने में सफल रही। इसकी तुलना में कांग्रेस ने 2014 के चुनावों में जम्मू से पांच सीटें जीती थीं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जम्मू में अपना प्रभुत्व बनाए रखा है। पार्टी ने जम्मू क्षेत्र से 29 सीटें जीती हैं। पार्टी कश्मीर से एक भी सीट जीतने में विफल रही। भागवा पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण उलटफेर तब हुआ, जब भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना नौशेरा से अपनी सीट हार गए।

जाट-नॉन जाट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
संभव नहीं है क्योंकि वोटिंग मशीनें जनता से दूर सुरक्षित स्थानों पर थीं। वहाँ भाजपा जीती, जबकि, जहाँ ई.वी.एम. बैटरी 60 से 70 प्रतिशत थी, वहाँ कांग्रेस जीती है। भाजपा ने कहा, जब भी कांग्रेस हारती है, वो ऐसे ही आरोप लगाती है। पार्टी के अंदर आपसी मतभेदों में भी बड़ी भूमिका निभाई। वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री की दौड़ में लगे रहे, कुमारी सैलजा रुठी रहें और चुनाव अभियान में शामिल नहीं हुईं क्योंकि उन्हें हुडा से कम टिकट मिले थे।

कांग्रेस के कई नेता, पार्टी के दलित वोट दूर जाने के लिए सैलजा को जिम्मेवार ठहरा रहे हैं। जबकि, सैलजा का आरोप है कि हुडा जिम्मेवार है क्योंकि उन्होंने सब कुछ अपने हाथ में ही रखा। जम्मू में कांग्रेस ने भाजपा से समझौते तक खुद को ही नुकसान

पहुँचाया। यहाँ कांग्रेस के कई नेताओं के खिलाफ केस चल रहे हैं और वे भाजपा के साथ मेलजोल रहे हुए।

ए.आई.सी. महासचिव भरत सिंह सोलंकी ने तो कथित रूप से पूरी तरह से भाजपा का ही कहा मान रहे थे और उन्होंने ऐसे प्रत्याशियों को टिकट दिया जिससे भाजपा को फायदा हो।

कांग्रेस नेता गुलाम मोहम्मद मीर ने भी सदिग्ध भूमिका निभाई क्योंकि वे मुख्यमंत्री बनना चाहते थे और उन्हें पार्टी को गुमराह बनाया। अब समय आ गया है कि राहुल गांधी बैटकर विचार करें कि पार्टी में कहां गड़बड़ हो रही है। लोकसभा चुनावों से जो फायदा मिला है वह हाथ से निकल जा। इससे पहले ठोस कदम उठाना होगा। हरियाणा की हार कांग्रेस का भारी नुकसान है इसका असर झारखंड और महाराष्ट्र पर भी पड़ सकता है।

दो अमरीकी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
आर्टिफिशियल न्यूरल नैटवर्क के साथ मशीन लर्निंग को सक्षम बनाने वाली खोजों के लिए दिया गया है।

नोबल एकेडमी ने अपने बयान में कहा कि इन वैज्ञानिकों ने अपनी खोज में फीजिक्स के टूलस का इस्तेमाल किया है। होपफील्ड ने प्रिंसटन युनिवर्सिटी में अपना शोध किया। उन्होंने नैटवर्क विकसित किया जो डेटा में तस्वीरों व अन्य पैटर्न को सुस्थित रख सकता और रीक्रिएट कर सकता है। इसे होपफील्ड नैटवर्क नाम दिया गया है।

होपफील्ड नैटवर्क भौतिकी पर आधारित है, विशेष रूप से यह बताता है परमाणुओं के अंदर छोटे चुंबक कैसे व्यवहार करते हैं। ज्यॉफ्री हिंटन युनिवर्सिटी ऑफ टॉरंटो के हैं, उन्होंने होपफील्ड नैटवर्क का प्रयोग करके एक नया नैटवर्क विकसित किया जो एक अलग मैथड बोल्ट्जमैन मशीन का प्रयोग करता है। यह विभिन्न आंकड़ों में महत्वपूर्ण विशेषताओं को पहचानना सीखती है।

नाबालिग से दुष्कर्म, अभियुक्तों को 20 साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)
विजया पारीक ने अदालत को बताया कि मामले में पीड़िता के भाई ने 1 फरवरी 2020 को विराट नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी बहन का साल 2005 में विवाह कर दिया था। वहीं, बीते 8 माह से वह अपने पीहर में ही आकर रह रही थी। आज सुबह जब परिजन उठे तो पीड़िता घर पर नहीं मिली। उसे आसपास

और रिश्तेदारों के यहाँ तलाशा, लेकिन उसका पता नहीं चला। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने अभियुक्तों को करीब 25 दिन बाद गिरफ्तार कर अदालत में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता ने अदालत को बताया कि घंटियों के कुछ दिनों पहले उसका परिचित कानाराम घर आया था। उस समय वह बिना किवाड़ के बाथरूम में नहा रही थी और घर पर कोई नहीं था। इस दौरान कानाराम ने उसके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो बना लिया।

इसके कुछ दिनों बाद, कानाराम, विक्रम सिंह के साथ आया और दोनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने अदालत को बताया कि घंटियों के कुछ दिनों पहले विक्रम ने उसे फोन कर बाहर बुलाया और इसके बाद वह और मुकेश उसे बाइक पर बैठाकर

गिराज जी ले गए। यहाँ धर्मशाला में दोनों ने उससे दुष्कर्म किया। इसके दो दिन बाद, वे उसे जयपुर के पांच्यावाला ले गए वहाँ उसे एक कमरे में रखा गया। जब मुकेश बाहर जाता तो विक्रम उससे दुष्कर्म करता और विक्रम को बाहर जाने पर मुकेश उससे रेप करता। ऐसा करीब बीस दिन तक चला और आखिर में पुलिस आकर उन्हें ले गई।

50 सीनियर डॉक्टरों ने इस्तीफा दिया

कोलकाता, 8 अक्टूबर। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को सामूहिक इस्तीफे दिए गए। 50 सीनियर डॉक्टरों ने आमरण अनशन कर रहे जूनियर डॉक्टरों के समर्थन में रिजाइन कर दिया।

सूत्रों के अनुसार, मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में कई डिपार्टमेंट और उनके हेड्स की मीटिंग हुई। इस मीटिंग में इस्तीफा देने का फैसला लिया गया। प्रशासनिक अधिकारियों पर असाधारण दबाव से संबंधित गम्भीर सवाल हैं। हरियाणा में "डबल इंजन" सरकार रही है, इसलिए "डबल इंजन" दबाव है। जो लोग अच्छे-खासे अन्तर से बहुत लिए हुए थे, वे 50, 100, 250 वोटों से हार गए थे। यह केवल गड़बड़ी और दबाव के चलते ही हो सकता है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित करते वरिष्ठ कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पार्टी को हिसार, महेन्द्रगढ़ तथा पानीपत जिलों से लगातार शिकायतें मिलती रही। उन्होंने नारनौल उम्मीदवार राव नरेन्द्र सिंह का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा, "जिन ई.वी.एम. मशीनों में 99 प्रतिशत बैटरी थीं, उनके द्वारा दिए गए परिणाम हमारे खिलाफ थे, तथा जिन मशीनों में 60-70 प्रतिशत बैटरी थी तथा जिन्हें स्पर्श नहीं किया गया था, वे सामान्य रूप से काम कर रही थीं तथा उनके परिणामों में हमारे उम्मीदवार विजयी रहे। हमारे उम्मीदवारों ने रिटर्निंग अफसरों को भी शिकायतें दी हैं। हम जल्दी ही चुनाव

आयोग जायेंगे।" ये तंत्र की जीत है, लोकतंत्र की हार है।" खेड़ा ने आगे कहा, "हमने यह नहीं कहा है कि सभी मशीनें दोषपूर्ण हैं। हमने यह भी नहीं कहा है कि हरियाणा की सारी मशीनें दोषपूर्ण हैं। लेकिन गड़बड़ी हुई है,। आप मुझे बताएं - ये मशीनें इतने दिनों से पड़ी हुई हैं, इन सबमें स्टैटर्ड 99 प्रतिशत बैटरी कैसे हो सकती है? ऐसा नहीं है कि शिकायतें दोपहर बाद शुरू हुईं, शिकायतें एक भी परिणाम आने से पहले ही कर दी गई थीं। राव नरेन्द्र सिंह तथा हमारे पानीपत उम्मीदवार हमें शिकायतें हमना तभी शुरू कर दिया था, जब उन्हें बहुत हासिल थीं।" कांग्रेस की आसन जीत बताई गई थी, उसके बाद, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा था कि भाजपा लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनानेगी तथा भविष्यवाणी की थी कि कांग्रेस ई.वी.एम. पर दोषारोपण करेगी। सैनी ने कहा था, "आठ तारीख को जनता देगी जवाब, और ये कहेंगे ई.वी.एम. है खराब।"

विश्व मानक दिवस के उपलक्ष में “रन फॉर क्वालिटी” का आयोजन

मानक हमारे दैनिक जीवन में महत्वपूर्ण हैं और वे एक सुरक्षित और विश्वसनीय समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं : सांसद रावत

उदयपुर, (कासं)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), राजस्थान ने मंगलवार आठ अक्टूबर को उदयपुर की फतेहसागर झील पर “रन फॉर क्वालिटी” का आयोजन किया। यह आयोजन, विश्व मानक दिवस-2024 के वैश्विक समारोह के तहत किया गया, जो 14 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इस महत्वपूर्ण दिन का उद्देश्य उत्पादों और सेवाओं की सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले मानकों के महत्त्व को उजागर करना है।

उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत ने “रन फॉर क्वालिटी” को ध्वज दिखाकर दौड़ का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर पिपलांजी के पर्यावरणविद और समाजसेवी, पंचश्री श्याम सुन्दर पालीवाल, प्रोफेसर मीरा माथुर, डायरेक्टर, फैक्ट्री ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, एमएलएसयू और बीआईएस, राजस्थान प्रमुख व निदेशक कनिका कालिया मौजूद रहे। उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत ने कहा कि मानक हमारे दैनिक जीवन में कितने महत्वपूर्ण हैं और वे एक सुरक्षित और विश्वसनीय समाज बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा भारतीय मानक



उदयपुर की फतेहसागर झील पर “रन फॉर क्वालिटी” का आयोजन हुआ।

ब्यूरो द्वारा आयोजित इस गुणवत्ता दौड़ को उदयपुर के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन से संभाग में गुणवत्ता चेतना में बढ़ोतरी होगी।

पिपलांजी से आये पर्यावरणविद और समाजसेवी, पंचश्री श्याम सुन्दर पालीवाल ने उपस्थित सभी

प्रतिभागियों से बीआईएस के इस गुणवत्ता मिशन को हर गांव में पहुंचाने की अपील की। उन्होंने आगे विश्व मानक दिवस समारोह की थीम, जो सतत विकास लक्ष्यों पर केंद्रित थी, की ओर ध्यान आकर्षित किया और प्रतिभागियों से इसमें योगदान देने का आग्रह किया। इस अवसर पर बीआईएस, राजस्थान प्रमुख और

निदेशक कनिका कालिया ने कहा कि बीआईएस गुणवत्ता और सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। “रन फॉर क्वालिटी” जैसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाते हैं ताकि मानकों के महत्त्व के बारे में सभी को जागृत किया जा सके और बीआईएस के गुणवत्ता मिशन में जोड़कर उन्हें एक सुरक्षित

■ यह आयोजन, विश्व मानक दिवस-2024 के वैश्विक समारोह के तहत किया गया, जो 14 अक्टूबर को मनाया जाएगा

■ इस महत्वपूर्ण दिन का उद्देश्य उत्पादों और सेवाओं की सुरक्षा, विश्वसनीयता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले मानकों के महत्त्व को उजागर करना है

और सतत समाज बनाने में भागीदार बने के लिए प्रेरित किया जा सके। इस दौड़ में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय (एमएलएसयू) के छात्र और बीआईएस स्टैंडर्ड क्लब के सदस्य, उपभोक्ता संगठन और स्थानीय लोग भी दौड़ में शामिल थे।

प्रॉपर्टी डीलर पर बदमाशों ने कुल्हाड़ियों से हमला किया

हमले में प्रॉपर्टी डीलर सूरज मीणा गंभीर घायल, अस्पताल में भर्ती करवाया



चंदवाजी में प्रॉपर्टी डीलर पर हमले के बाद पुलिस ने मौका मुआयना किया।

मानपुरा माचेड़ी, (निंसं)। चंदवाजी थाना क्षेत्र के चंदवाजी में एक प्रॉपर्टी डीलर पर कुछ बदमाशों ने ऑफिस में घुसकर कुल्हाड़ियों से जानलेवा हमला किया। हमले में प्रॉपर्टी डीलर सूरज मीणा गंभीर घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। घायल को निम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया। वहीं हमलावर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जानलेवा हमला करने वालों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के

■ हमलावर मौके से फरार, पुलिस ने मामला दर्ज कर हमलावरों की तलाश शुरू की

चक मनोहरपुर निवासी मुकेश मीणा ने रिपोर्ट दी है कि उसके पिता सूरज मीणा जो कि प्रॉपर्टी डीलर का काम करते हैं। मंगलवार को पेट्रोल पंप के सामने स्थित कार्यालय में बैठे थे कि बाइक सवार

तीन युवक आए और सूरज मीणा पर कुल्हाड़ियों से ताबड़तोड़ वार कर फरार हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घायल को नजदीक के निम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां से परिजन उसे जयपुर किसी अस्पताल में ले गए। पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही है। घायल प्रॉपर्टी डीलर के पुत्र मुकेश मीणा ने चक मनोहरपुर निवासी अशोक यादव पर शक जाहिर करते हुए बताया कि उसने कुछ दिन पहले जान से मारने की धमकी दी थी।

केरल से निकला साइकिल यात्रियों का दल अजमेर पहुंचा



साइकिल यात्रियों के दल ने अजमेर में भी यात्रा निकाली।

अजमेर, (कासं)। वैश्विक शांति और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए निकाली जा रही साइकिल यात्रा मंगलवार को अजमेर पहुंची। यात्रा के अजमेर पहुंचने पर स्वागत किया गया। अजमेर के प्रमुख मार्गों पर यह यात्रा निकली। यह यात्रा अहमदिया मुस्लिम यूथ विंग की ओर से भारत में वैश्विक शांति और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए केरल से कादियान तक 3,600 किमी की साइकिल यात्रा शुरू की गई है।

जानकारी के अनुसार इस यात्रा की शुरूआत 6 सितंबर कालीकट में एक

■ वैश्विक शांति और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए निकाली जा रही है यात्रा

■ केरल से कादियान तक 3,600 किमी की साइकिल यात्रा शुरू की गई है

ध्वजारोहण कार्यक्रम के साथ हुई थी। साइकिल यात्री विभिन्न राज्यों और

प्रमुख शहरों से गुजरते हुए जन जागरूकता अभियानों में भाग लेंगे, जिनका उद्देश्य वैश्विक संघर्षों की वृद्धि को रोकने और टिकाऊ प्रथाओं, विशेष रूप से साइकिल का उपयोग और पेड़ लगाने को बढ़ावा देना है। यह साइकिल यात्रा अहमदिया मुस्लिम समुदाय की ओर से शांति, समझ और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। साइकिल यात्री इस साइकिल विश्वास से प्रेरित हैं कि युद्ध और पर्यावरणीय क्षरण के विनाशकारी परिणामों से बचने के लिए ठोस कदम उठाना अत्यंत आवश्यक है।

मूर्तियों के खंडित मामले में लोगों में आक्रोश



शिव परिवार की मूर्ति खंडित होने पर लोगों में आक्रोश फैल गया।

जुरहरा, (निंसं)। कस्बे के प्राचीन चमत्कारी इंद्रकुटी हनुमान मंदिर पर स्थित शिव परिवार की मूर्तियों के सोमवार को खंडित कर देने के मामले में मंगलवार की सुबह कस्बे में विरोध मार्च निकाला गया।

विरोध मार्च कस्बे के इंद्रकुटी हनुमान मंदिर से शुरू होकर सेनी मौहल्ला, चौपड़ा बाजार, मैन बाजार होते हुए बस स्टैंड पर पहुंचा, जहां लोगों ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारे लगाने शुरू कर दिए और जुरहरा-कामां रोड को बीच सड़क पर टायर जलाकर जाम कर दिया। रोड को जाम कर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर रहे कस्बेवासी धरने पर बैठ गए। जाम व धरने की सूचना मिलते ही जुरहरा थाना अधिकारी योगेंद्र सिंह राजावत मन्य जाणा के मौके पर पहुंचे और उपस्थित लोगों से बात कर जाम को खुलवाने के काफी प्रयास किए। लेकिन धरने में शामिल लोग आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग पर पड़े रहे। कामां विधायक नौशेम चौधरी ने मामले में संज्ञान लेते हुए

■ कस्बे के लोगों ने विरोध मार्च निकालकर बाजारों को बंद कराया

जुरहरा तहसीलदार मनोज भारद्वाज व कामां सीओ को मौके पर भेजा। जहां उन्होंने कस्बेवासियों से बात की लेकिन कस्बेवासी जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी पर अड़े रहे। कस्बे के गणमान्य लोगों ने कार्यवाही के लिए 7 दिन का अल्टीमेटम देते हुए जाम को खोलकर धरने को समाप्त कर दिया। क्षेत्र में आस्था का बहुत बड़ा केंद्र है जुरहरा का इंद्रकुटी हनुमान मंदिर-जुरहरा कस्बा सहित ग्रामीण अंचल में जुरहरा का इंद्रकुटी हनुमान मंदिर आस्था का बहुत बड़ा केंद्र है यहां सैकड़ों लोग प्रतिदिन सुबह-शाम दर्शन करने के लिए आते हैं और इंद्रकुटी हनुमान मंदिर के परिसर में ही शिव परिवार की मूर्ति प्रति स्थापित है। जिनको किन्हीं असामाजिक तत्वों के द्वारा खंडित किया गया है जिसके चलते क्षेत्र के लोगों में काफी आक्रोश बना हुआ।

तलाई में डूबने से युवक की मौत

गंगपुर सिटी, (निंसं)। अलीगंज रोड स्थित एक तलाई में युवक के डूबने से उसकी मौत हो गई। इससे पहले युवक को पानी बाहर निकाल कर पास में ही एक निजी हॉस्पिटल और इसके बाद गंगपुर सिटी गर्वमेंट हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। छट्टनराम (30) पुत्र बेरीटरराम

मोची निवासी मोतीपुर जिला गोपालगंज बिहार यहाँ गंगपुर सिटी अलीगंज रोड पर एक कबाड़ी के यहाँ गोदाम पर रखवाली का काम करता था। सोमवार को छट्टनराम गोदाम के पास अलीगंज रोड पर ही एक तलाई के पास पहुंच गया था। संभवतया छट्टनराम ने नशा कर रखा था और इसी कारण वह पानी में गिर गया।

कोटा राष्ट्रीय दशहरा मेला : राम बारात का पग-पग पर स्वागत, लोक संस्कृति की छटा बिखरी

अपूर्व उत्साह, अद्भुत उल्लास के साथ राम के विवाह में कोटावासी बाराती बने

कोटा, (निंसं)। 131वें राष्ट्रीय दशहरा मेले के तहत मंगलवार को आयोजित राम बारात में अपूर्व उत्साह और अद्भुत उल्लास दिखाई दिया। प्रभु श्रीराम और माता जानकी के विवाह में जैसे पूरा कोटा बाराती बना। कहीं पुष्पवर्षा तो कहीं आतिशबाजी, एक-दूसरे का मुंह ठोककर वाते लोग, लोक संस्कृति के रंगों में रंगी मनोहारी झांकियों और लोक नृत्य, पूरा नजारा अलौकिक और हतप्रभ कर देने वाला रहा।

गीता भवन से श्रीराम रंगमंच तक के करीब पांच किलोमीटर तक के मार्ग पर राम बारात का पग-पग पर स्वागत हुआ। राम बारात के प्रति आमजन के अपार हर्ष का अंदाजा गीता भवन में उमड़ते श्रद्धालुओं को देखकर लगाया जा सकता था। शहर के प्रबुद्धजन से लेकर आमजन तक प्रारंभ से ही राम बारात का भाग बनने के लिए आतुर दिखाई दे रहा था। गीता भवन में कोटा

....तो क्या आप डाकू बन कर उसे लूट लेंगे

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस मामले में 35 लाख रिश्वत के आरोप में हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान जोधपुर कमिश्नरेंट 3 एसएचओ को सस्पेंड के शिफारिश की है। मामले में कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति तस्कर है तो क्या आप डाकू बन कर उसे लूट लेंगे। जंगल राज बना दिया है सब ने मिलकर। ऐसे तो पुलिस और एसीबी से लोगों का विश्वास उठ जाएगा। जानकारी के

अनुसार 2023 में डोडा पोस्ट तस्कर से विवेक विहार थाना अधिकारी पर 35 लाख रिश्वत लेने आरोप लगा था। मामला दर्ज होने पर एसीबी से जांच करवाई गई थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने एसीबी की जांच को भी संदिग्ध मानते हुए जांच सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट जस्टिस फरजंद अली खान की कोर्ट ने मामले में इस मामले में सख्ती दिखाई। थानाधिकारी, जांच अधिकारी और एक अन्य एसएचओ

को सस्पेंड करने के लिए आदेश जारी किए हैं। मामले में एसीबी के जांच अधिकारी की भूमिका को भी संदिग्ध माना है। कोर्ट ने डीजीपी से कहा कि वह एसीबी के जांच अधिकारी सहित इस मामले में सभी संदिग्धों के खिलाफ उचित कार्रवाई करें। इसी मामले को लेकर अगली सुनवाई 17 अक्टूबर को होगी। कोर्ट ने जांच का रिकॉर्ड अपने कब्जे में ले लिया है। एसीबी को नोटिस जारी किया गया है।

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में वर्षों पुरानी रंजिश के चलते में एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। युवक को हमलावरों ने पांच गोलियां मारी। हत्या के बाद बदमाश पैदल ही फरार हो गए। गोली मारने का वीडियो भी सामने आया है।

मंगलवार दोपहर डांगियावास के खेड़ी सालवा निवासी सुभाष बिस्नोई (19) सांगरिया फाटा क्षेत्र में रिश्तेदार से मिलने आया था। वह बाइक पर सड़क पर खड़ा था। दो बदमाश उसके पास आए और पहले बात करने लगे। एक युवक ने जब से पैसे निकालकर सुभाष का ध्यान उसकी ओर किया। इसी दौरान दूसरे बदमाश ने युवक पर गोलियां चला

दी। युवक जमीन पर गिर गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। गोलियों की आवाज सुनकर मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। युवक के शव को एम्स की मॉर्चरी में रखवाया गया है। शरीर पर सीने, दाएं हाथ, गर्दन और पीठ पर गोली लगने के निशान मिले हैं। पुलिस ने मौके से पांच गोलियों के खाली खोल बरामद किए हैं। सामने आया कि सुभाष और आरोपियों के परिवार के बीच 44 साल पुरानी रंजिश है। 15 मई 1970 में दोनों परिवार (थानाराम-चतुराराम) गांव खेड़ी सालवा में पड़ोसी थे। किसी बात

पर दोनों परिवारों के बीच झगड़ा हो गया था। झगड़े में थानाराम के परिवार ने लाठी से वार कर चतुराराम की हत्या कर दी थी। दादा की मौत का बदला लेने के लिए 2018 में अनिल लेगा ने थानाराम की हत्या कर दी थी। अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए 9 महीने पहले थानाराम के बेटे और परिवार के लोगों ने बनाई थाना क्षेत्र के खेड़ी सालवा में दिनदहाड़े अनिल लेगा को गोली मारकर हत्या कर दी थी। अनिल लेगा की हत्या में सुभाष अपने बड़े भाई के साथ शामिल था। सुभाष 20 दिन पहले ही जमानत पर बाहर आया है, जहां सुभाष का मर्डर किया, वहां से कुछ दूरी पर ही उसके चाचा का घर है और वह वही आया हुआ था।

कोटा राष्ट्रीय दशहरा मेला : राम बारात का पग-पग पर स्वागत, लोक संस्कृति की छटा बिखरी

अपूर्व उत्साह, अद्भुत उल्लास के साथ राम के विवाह में कोटावासी बाराती बने

कोटा, (निंसं)। 131वें राष्ट्रीय दशहरा मेले के तहत मंगलवार को आयोजित राम बारात में अपूर्व उत्साह और अद्भुत उल्लास दिखाई दिया। प्रभु श्रीराम और माता जानकी के विवाह में जैसे पूरा कोटा बाराती बना। कहीं पुष्पवर्षा तो कहीं आतिशबाजी, एक-दूसरे का मुंह ठोककर वाते लोग, लोक संस्कृति के रंगों में रंगी मनोहारी झांकियों और लोक नृत्य, पूरा नजारा अलौकिक और हतप्रभ कर देने वाला रहा।

गीता भवन से श्रीराम रंगमंच तक के करीब पांच किलोमीटर तक के मार्ग पर राम बारात का पग-पग पर स्वागत हुआ। राम बारात के प्रति आमजन के अपार हर्ष का अंदाजा गीता भवन में उमड़ते श्रद्धालुओं को देखकर लगाया जा सकता था। शहर के प्रबुद्धजन से लेकर आमजन तक प्रारंभ से ही राम बारात का भाग बनने के लिए आतुर दिखाई दे रहा था। गीता भवन में कोटा

रामजी की लीला है न्यारी... जग में सुंदर है दो नाम चाहे कृष्ण कहे या राम...सरीखे भजनों से माहौल को भक्तिमय बना रहे थे। सधे हुए अंदाज में घूम व चकरी करती नृत्यांगनाएं कला संस्कृति की छाप छोड़ रही थी। शोभायात्रा में चोड़ा बाघी, हाथी, ऊंटागाड़ी थीं। बग्घी में प्रभु श्री राम, भ्रता लक्ष्मण, मुनि विश्वामित्र समेत अनेक झांकियां मौजूद थीं। होली चैक पंजाबी अखाड़े 'गतका' की प्रस्तुति देते पट्टेबाज चल रहे थे। विभीषण बने राजाराम कर्मयोगी हाथ लहराते चल रहे थे। राम बारात गीता भवन से प्रारंभ होकर वाल्मीकि बस्ती, सच्चोर्नी, हाथी, सुंदर धर्मशाला, श्रीपुरा, लाल बुर्ज, कैथनीपोल थाने के सामने, टिपटा, गढ़ पैलेस, किशोरपुरा दरवाजा होते हुए छोड़ने को तैयार नहीं था। गजराज के साथ बैण्ड वादक दल मन दर्पण कहलाए... रामजी की निकली सवारी

उमंग भरी ड्राइव्स के साथ मनाइए नवरात्रि की खुशियां। पाएं आकर्षक ऑफ़र्स मन की शांति के साथ।



महा बचत

ALTO K10
₹66 400*

S-PRESSO
₹72 950*

WAGONR
₹63 100*

CELERIO
₹78 000*

3 Years
100 000 km
WARRANTY*
EXTENDABLE UP TO 6 YEARS

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END
CAR FINANCE SOLUTION
► Pre-approved loans
► Multiple financiers
► Custom generated loans
► Loan status tracking



SCAN TO
CHAT
WITH US



ALTO S-PRESSO WAGONR CELERIO



E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM OR VISIT YOUR NEAREST MARUTI SUZUKI DEALERSHIP.

Black glass on the vehicle is due to lighting effect

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: **ALWAR:** MG MOTORS: 9001795515, 9001795517, 8003692652, 8003692652, 8003692652. **SRIGANGANAGAR:** AURIC MOTORS: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** 0151-2942222, 0151-3550418, 7412075151. **PADAMPUR:** 7412075151. **LUNKARANSAR:** 7412075129. **SRI KOLAVAT:** 7412075129. **SIKAR:** JAMU AUTOMOBILES: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA:** JAMU AUTOMOBILES: 9785644715. **JHUNJHUNU:** AURIC MOTORS: 8955644715. **KOTA:** BHATIA & COMPANY: 9785644715. **INDUSTRIAL OFFICE:** 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: 7230006839, 9829818018, 9784598109, 9829099081, 9829045729, 9829187004. **DAKANPIYA SHOWROOM:** G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANPIYA STATION: 9001997116, 9001997113, 9587898054. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: 0744-2370272, 9116178527. **BHAWANIMANDI:** 9116178527. **KHANPUR:** 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR:** AURIC MOTORS PVT LIMITED: SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: 0291- 2722691, 9015900500. **BALESAR:** 6377715171. **AHORE:** 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. **PHALODI:** 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: 8094011123, 8094011151, 0291- 2630478/79/80. **NAGGAUR:** MANGALAM MOTORS: 9116008630. **PALI:** L.M.J. SERVICES LTD.: 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI:** NAVNEET MOTORS: 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR:** NAVNEET MOTORS: MADRI: 0294-2494454, 7230046380. **SHOBHAGPURA:** 9829043600. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA:** NAVNEET MOTORS: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA:** CHAMPION CARS: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR:** TM MOTORS: 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH:** BHATIA & COMPANY: 9414130799, 9001791753, 9887208999, 9414179006, 9413316117. **BIKANER:** DUDI AUTOMOBILES: 0151-2942222, 0151-3550418, 7412075151. **LUNKARANSAR:** 7412075129. **SRI KOLAVAT:** 7412075129. **AURIC MOTORS:** 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **AJMER:** RELAN MOTORS: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO:** 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **JAIPUR:** VIPUL MOTORS PVT. LTD.: DAUSA: 9773364863. **BANDIKUI:** 9773364863. **MAHWA:** 9773364865. **UNIARA:** 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: 7412077062. **SAMBHAR:** 7412068410. **ACHROL:** 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAJLI: 8875001175/ 8875001132. **HINDAUN:** 9214794314/8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: 8058794137. **SAWAI MADHOPUR:** 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. **GANGAPUR CITY:** 8058794021. **BAGRU:** 8058794021. **KOTPUTLI:** 8058794121. **JOBSNER:** 8058796065. **RENEWAL:** 8058794042. **DUDU:** 8058406655. **PHAGI:** 8058403338. **KANOTA:** 8058794167. **TUNGA:** 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: 9549651924. **CHAKSU:** 9549651926. **SHAHUPURA:** 8696925275. **DEOLI:** 8696934957. **MALPURA:** 9549650513. **NIWAI:** 9667777114. **PAOTA:** 9549650495. **VIRATNAGAR:** 6350612446. **JAMWA RAMGARH:** 6350612727. **SANGA AUTONATION:** 9057809150, 7734901000. **CHURU:** TRS CHURU: 8882899302.

*Offer includes consumer offer, exchange bonus and institutional or rural offer. (Wherever applicable) on selected models/variants. Above mentioned savings amount is the value of maximum savings on selected models. **Terms and conditions apply. For more details, please contact your nearest Suzuki dealership. Offer valid with select financiers only. Features and accessories shown may not be part of standard fitment. Black Glass Shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. Car color may vary due to printing on paper. Offers vary across variants. Maruti Suzuki India Limited reserves the right to discontinue offers without notice. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. Above offers are valid till 31st Oct, 2024.